**प्रेस विज्ञप्ति**

# गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
# पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

## पंतनगर विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर आज होंगे विविध कार्यक्रम

पंतनगर। १६ नवम्बर, २०१८। देश के प्रथम कृषि विश्वविद्यालय, पंतनगर विश्वविद्यालय, के स्थापना दिवस पर कल (आज) विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस दिन की शुरूआत प्रातः ६.३० बजे रन फार द यूनिवर्सिटी से होगी जिसमें विश्वविद्यालय के विद्यार्थी, वैज्ञानिक, अधिकारी व कर्मचारी भाग लेंगे। पूर्वाहन में गांधी हॉल में भारतीय कृषि व पर्वतीय खेती विषयों पर दो व्याख्यान दिये जाएंगे। प्रथम व्याख्यान देश के जाने-माने कृषि पत्रकार, देवेन्द्र शर्मा, द्वारा दिया जाएगा, जिसका विषय 'भारतीय कृषि एवं किसानों की आर्थिकी' होगा। देवेन्द्र शर्मा अंतर्राष्ट्रीय रूप से जाने-माने खाद्य एवं व्यापार एनालिस्ट होने के साथ-साथ एक लेखक, शोधार्थी व बुद्धिजीवी हैं। इंडियन एक्सप्रेस में कई वर्ष रहने के बाद उन्होंने टिकाऊ खेती, जैव-विविधता, बौद्धिक सम्पदा अधिकार, पर्यावरण, विकास, मुक्त व्यापार का विकासशील देशों पर प्रभाव इत्यादि से संबधित नीतियों पर शोध की ओर अपना ध्यान केंद्रित किया है। किसानों को आय सुरक्षा प्रदान करने के लिए लड़ने वालों में उन्हें जाना जाता है।

दूसरा व्याख्यान विश्वविद्यालय के कुलपति, डा. तेज प्रताप, द्वारा दिया जाएगा जिसमें वे पर्वतीय खेती की स्थितियों का विभिन्न देशों के परिपेक्ष्य में विवेचन करेंगे। डा. तेज प्रताप को पर्वतीय खेती व पर्वतीय किसानों की दशाओं का विस्तृत एवं लम्बा अनुभव है। उन्होंने विश्व के विभिन्न देशों में स्थित लगभग सभी पर्वत श्रृखलाओं का गहन अध्ययन किया है तथा इस संबंध में नीति व रणनीति बनाने में अपने विशिष्ट अनुभव का योगदान दिया है। इस अवसर पर विद्यार्थियों को विभिन्न अवार्ड भी प्रदान किये जाएंगे जो विभिन्न विषयों में उनकी योग्यता व उपलब्धियों के आधार पर दिये जाएंगे।

स्थापना दिवस पर अपराह्न ३.०० बजे प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया है, जिसमें डा. तेज प्रताप एवं श्री देवेन्द्र शर्मा मीडिया प्रतिनिधियों से मुखातिब होंगे। सांयकाल में गांधी हॉल में ही सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थी गीत, संगीत, नृत्य, ड्रामा इत्यादि की प्रस्तुति देंगे। इन सभी कार्यक्रमों में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहेंगे।

ज्ञात हो कि पंतनगर विश्वविद्यालय का उद्घाटन लगभग ६ दशक पूर्व, १७ नवम्बर १९६० को, भारत के प्रथम प्रधानमंत्री, पंडित जवाहर लाल नेहरू, द्वारा किया गया था। अपनी स्थापना के कुछ वर्षों के अंदर ही देश में हरित क्रांति लाने में इस विश्वविद्यालय का महत्वपूर्ण योगदान रहा, जिसके परिणामस्वरूप आज भारत खाद्यान्न में आत्म निर्भर होने के साथ-साथ खाद्यान्न का निर्यातक भी है। पंतनगर विश्वविद्यालय के बीजों की पूरे देश में ख्याति है तथा यहां के विद्यार्थी व वैज्ञानिक देश-विदेश में जाने जाते हैं। इस विश्वविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने दो बार देश के सर्वोत्तम विश्वविद्यालय तथा उत्तराखण्ड के राज्यपाल ने पिछले तीन वर्षों से लगातार प्रदेश के सर्वोत्तम विश्वविद्यालय के अवार्ड से सम्मानित किया है।